हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 3 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

श्री महावीर भगवान निर्वाण महोत्सव

मण्डला। मंडला में श्री शांति नाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी में1008 श्री महावीर भगवान का निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया गया । बहुत से लोगों नें शांतिधारा करने का वोलि के माध्यम से अवसर प्राप्त किया ।राकेश जया आरजू अतिशय और प्रमोद रानी उत्कर्ष ने निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया।

लोधी समाज की धर्मशाला बनेगी संगम घाट महाराजपुर में 3 को

मण्डला। लोधी समाज की धर्मशाला बनेगी संगम घाट महाराजपुर में दिनाँक 03 नवंबर 2024 दिन रविवार को महाराजपुर संगम घाट स्थित लोधी समाज द्वारा क्रय की गई भूमि पर लोधी समाज की धर्मशाला निर्माण कार्य का शुभारंभ सुबह 09 बजे किया जाएगा। इंजीनियर गुनेद मसकरे नागपुर द्वारा लेआउट किया जाएगा। इस अवसर पर धनेश पटेल समाजसेवी बालाघाट, एल सी मसकरे नागपुर एवं मण्डला सिवनी बालाघाट जिले के स्वजातीय बंधुओ से उपस्थित होने की अपील की गई है। लोधी समाज मण्डला एवं आलोक संघ के पदाधिकारी होंगे शामिल। लोधी समाज मण्डला के द्वारा धर्मशाला निर्माण हेतु भूमि पहले ही क्रय की जा चुकी है। अब निर्माण कार्य शुरू हो रहा है।

जिला स्तरीय गौवर्धन पूजन का कार्यक्रम हुआ आयोजित

गौसेवा समाज के लिए महापुण्य का कार्य

*** दयोदय गौशाला आमानाला में हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के आव्हान पर पूरे प्रदेश में गौवर्धन पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश में दीपावली का पर्व भी धूमधाम और उत्सवपूर्वक मनाया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि प्रदेश के सभी नागरिक मिलजुलकर गौवर्धन पूजन करें। गौसेवा करना मानव समाज के लिए सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गौसेवा के लिए समर्पण, त्याग और सेवाभाव से काम करने वाले नागरिकों को सम्मानित करने को कहा है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके शनिवार को दयोदय पशु सेवा सदन आमानाला में जिला स्तरीय गौवर्धन पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते के आगमन पर गौवर्धन पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्वालों ने अपने परंपरागत नृत्य के माध्यम से उनका स्वागत किया। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते और कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने गायों को अपने हाथ से लड्डू और प्रसाद खिलाये। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका मंडला अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगरपालिका मंडला उपाध्यक्ष श्री अखिलेश कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य व सभापति (संचार एवं संकर्म) श्री शैलेष मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री जेपी यादव सहित जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी और पत्रकारगण मौजूद थे। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने गौसेवक श्री दिलीप चंद्रौल, श्री रेणु कछवाहा, श्री हीरालाल रैदास, पशुपालक श्री रामनारायण बर्वे, पशु चिकित्सक डॉ. पीके जोशी को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री जी और सांसद जी को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर कृष्ण और राधारानी बने बाल कलाकारों का अभिनंदन किया गया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए पशुपालन को बढ़ावा देने को कहा है। जिससे हमें पशुपालन से दुग्ध वस्तुएं और खेतों के लिए जैविक खाद उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति, बैगा परिवारों के लिए पक्के आवास भवन बनाए जा रहे हैं। जिससे विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के लिए पक्के मकान में रहने का सपना साकार हो सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सृजन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को भैंस और उनके लिए अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बताया कि दयोदय पशु सेवा सदन आमानाला का शुभारंभ जैन मुनि आचार्य विद्यासागर जी ने पूजा-अर्चना कर प्रारंभ की थी। इस गौशाला में प्रारंभ में तीन गाय थी, आज इनकी संख्या 300 बताई जा रही है। दिगम्बर समाज हमेशा पशुओं की सेवा करने में अग्रणी रहा है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने आयोजित कार्यक्रम में बताया कि मंडला जिले में 8 गौशालाएँ संचालित हैं। उन्होंने सभी गौशालाओं का संचालन सुचारू रूप से करने के लिए उनकी व्यवस्था, सुरक्षा और निगरानी का समुचित प्रबंध करने को कहा है।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गौवंश की रक्षा करना हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गौवर्धन पूजन का कार्यक्रम प्राचीनकाल से ही परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गौवर्धन पूजा में हमारी प्राचीन संस्कृति और परंपरा झलकती है। गौवर्धन पूजन का कार्यक्रम गांव-गांव और घर-घर में मनाया जाता है। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने गौवर्धन पूजन के अवसर पर सभी नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा है। मंडला जिले में गौवर्धन पूजन को एक अभियान के रूप में लेकर इसे व्यापक रूप से संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार लगातार गौसेवा केन्द्रों में पशुओं के लिए आहार, सुरक्षा और इलाज का प्रबंध कर रही है। गौशालाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं को संचालित कर पशु पालकों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिससे पशुपालकों की संख्या में वृद्धि हो सके। सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में संचालित 8 गौशालाओं में पशुओं का संरक्षण किया जा रहा है। गौशालाओं का संरक्षण व सुरक्षा के लिए सभी नागरिकों का योगदान जरूरी है। आयोजित कार्यक्रम का संचालन श्री अखिलेश उपाध्याय और डॉ. यूएस तिवारी ने आभार व्यक्त किया।

शिव मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर कैबिनेट मंत्री से मिली महिलाएं

*** मंत्री ने तत्काल किया निराकरण, एक सप्ताह में स्वीकृत होगी राशि।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

वर्षो पुराने शिव मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर शनिवार को स्वामी सीता राम वार्ड क्रमांक 11 की महिलाएं कैबिनेट मंत्री सम्पतियां उईके से उनके निज निवास में मुलाकात की और मंदिर के जीर्णाद्धार को लेकर आवेदन सौंपा। मंत्री ने महिलाओं के साथ बैठकर उनकी अनेक प्रकार की समस्याएं सुनी और तत्काल निराकरण करने के निर्देश भी दिए। बताया गया है कि मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 11 डिण्डौरी नाका पूजा किराना के पास स्थित शिव मंदिर जो वर्षो पुराना है जो अब जीर्णशीर्ण अवस्था में है। मंदिर क्षतिग्रस्त होने के कारण महिलाओं को पूजन पाठ करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नर्मदा महिला मंडल की अध्यक्ष प्रभा बैरागी ने बताया कि मंदिर के निर्माण को लेकर अनेक ज्ञापन आवेदन दिया जा चुका है लेकिन आज भी हमारी मांग पूरी नही हो सकी। मंदिर को क्षतिग्रस्त देख हमारी अस्था का ठेस पहुंच रहा है। कैबिनेट मंत्री सम्पतियां उईके ने महिलाओं को अश्वासन दिया है कि एक सप्ताह में मंदिर के निर्माण की राशि स्वीकृत जल्द से जल्द करा दिया जावेंगा। इस दौरान उर्मिला रजक, भागवति चंद्रौल, नर्मदा बघेल, शिवकुमारी चंद्रौल, मुनिया रजक, मुन्नी रजक, सुभद्र बर्मन, गीता श्रीवास, मनोज बैरागी सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

दीपावली पर्व रंगोली का आकर्षण

दिवस | **मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का रानी दुर्गावती महाविद्यालय में हुआ आयोजन।**

प्रदेश के विकास में सबकी भागीदारी हो सुनिश्चित

*** जिले के जननायकों को किया गया याद।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आजादी के बाद मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना 1 नवम्बर 1956 को हुई। मध्यप्रदेश की स्थापना को लेकर रानी दुर्गावती महाविद्यालय मंडला के ऑडीटोरियम में म.प्र. स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिले के लोक कलाकारों ने लोकगीत व लोकनृत्य प्रस्तुत किए। उनके द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमुदाय का मनमोह लिया, तालियों की गड़गड़ाहट ने पूरा कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने स्थानीय कलाकारों के साथ मिलकर लोकनृत्य किए व लोकगीत गाए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगर पंचायत मंडला अध्यक्ष सोनू भलावी, नगरपालिका मंडला उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य व सभापति (संचार एवं संकर्म) शैलेष मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, संयुक्त कलेक्टर जेपी यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े सहित जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, समाजसेवी एवं पत्रकारगण मौजूद थे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को पौधा देकर उनका स्वागत किया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि देश की आजादी 1947 के बाद राज्यों का गठन हुआ। जिसके तहत एक नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश राज्य भारत के अस्तित्व में आया। मध्यप्रदेश राज्य निर्माण में तत्कालीन सीपी एण्ड बरार, मध्य भारत विंध्य प्रदेश और भोपाल जैसे राज्यों को मिलाकर प्रदेश का निर्माण किया गया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य की सीमाएं उत्तर में उत्तरप्रदेश, दक्षिण में महाराष्ट्र, पूर्व में छत्तीसगढ़ एवं पश्चिम में गुजरात और राजस्थान को छूती है। मध्यप्रदेश भारत के हृदय स्थल में है, इसलिए इसे मध्यप्रदेश के नाम से जाना जाता है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मध्यप्रदेश के विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारगणों की सहभागिता जरूरी है। प्रदेश में सभी वर्गों में भाईचारा कायम रहे और प्रदेश के विकास में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की जनता को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित कर उनका सर्वांगीण विकास कर रहे हैं। जिससे प्रदेश के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली, सड़क, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सुलभता से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से अपील की, कि देश/प्रदेश के विकास में अपनी सहभागिता कर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी के संकल्पों को पूरा करें।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना एक नवंबर 1956 को प्रदेश की भौगोलिक, सांस्कृतिक, कला, परंपरा और इतिहास को लेकर की गई। मध्यप्रदेश स्थापना में चम्बल, विंध्य, निमाड़, छत्तीसगढ़, मालवा, नर्मदा सोनघाटी, बघेलखण्ड जैसे भौगोलिक क्षेत्र शामिल हुए। इन्ही भौगोलिक क्षेत्रों को लेकर मध्यप्रदेश राज्य का नवनिर्माण हुआ। मध्यप्रदेश निर्माण के बाद कृषि, शिक्षा, रोजगार, बिजली, सड़क, पानी, सिचाई को लेकर लगातार विकास कर रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश निर्माण के बाद से किसानों के लिए सिचाई का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में विकास एवं निर्माण कार्यों को लेकर लगातार कार्य हो रहे हैं। इतिहास, संस्कृति, परंपरा और लोक कलाओं को प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जननायकों के बारे में भी विस्तार से बताया। सांसद श्री कुलस्ते ने बताया कि हमारी सरकार ने आदिवासियों की शहीद स्थल मानगढ़ को भी संरक्षित करने का कार्य किया है।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का आदिवासी बाहुल्य जिला है। नर्मदा नदी के तट से लेकर पूर्वी मध्यप्रदेश तक जनजातीय समूहों की कला, संस्कृति विभिन्न माध्यमों से फैली हुई है। मध्यप्रदेश के निर्माण से आदिवासी कला एवं संस्कृति को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि डिंडौरी जिले में पाटनगढ़, गोंड़ी पेंटिंग का केन्द्र है। पाटनगढ़ को गोंड़ी पेंटिंग के नाम से पूरे देश में पहचान मिली है। सांसद श्री कुलस्ते ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम में आदिवासी जननायकों, राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह, रानी कमलापति, रानी दुर्गावती, टंट्याभील, भीमानायक, बिरसामुंडा सहित अन्य जननायकों के बारे में बताया। देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जानकारी दी। सांसद श्री कुलस्ते ने बताया कि मध्यप्रदेश निर्माण के बाद प्रदेश में विभिन्न योजनाएं संचालित कर नागरिकों को इन योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। म.प्र. के विकास और प्रगति के लिए लगातार निर्माण कार्य किए जा रहे हैं।

एकादशी से माँ नर्मदा जी की पंच चौकी महाआरती का शुभारंभ किया जाएगा-श्रीमति संपतिया उइके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि माँ नर्मदा नदी मंडला जिले के लिए जीवन दायिनी एवं धार्मिक नदी है। माँ नर्मदा नदी के लिए लोगों के मन में गहरी आस्था है। नर्मदा नदी के दर्शन और परिक्रमा के लिए लाखों श्रद्धालु मंडला जिले में आते हैं। नर्मदा नदी मंडला जिले में सबसे लम्बी यात्रा करती है जो कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है। एकादशी के अवसर पर नर्मदा नदी के रपटाघाट (माहिष्मति घाट) से नर्मदा जी की पंचचौकी महाआरती का शुभारंभ किया जाएगा। जिसमें जिले के सभी जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, व्यापारीगण, नागरिकों और पत्रकारगणों की सहभागिता जरूरी है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके गुरूवार को जिला योजना भवन में आयोजित बैठक में माँ नर्मदा जी की महाआरती करने की तैयारियों की समीक्षा कर रही थी। इस अवसर पर सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष श्री सोनू भलावी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री अखिलेश कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला पंचायत सदस्य सभापति (संचार एवं संकर्म) शैलेष मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन, संयुक्त कलेक्टर जेपी यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मंडला गजानंद नाफड़े सहित नगरपालिका के पार्षद, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, व्यापारीगण, मंदिर समितियों के पदाधिकारी और पत्रकारगण मौजूद थे। समिति के द्वारा सर्वसहमति से प्रस्ताव पास किया गया कि रपटाघाट अब माहिष्मति घाट के नाम से जाना जाएगा। पांच लाख रूपए जमा कर कोई भी नागरिक समिति में स्थाई सदस्य बन सकता है। इक्कईस हजार रूपए जमा करने पर अस्थाई सदस्य बने रहेंगे। सभी सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष इस समिति में सदस्य बन सकते हैं। नर्मदा जी की पंचचौकी महाआरती का शुभारंभ एकादशी से प्रारंभ होगी।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि धर्म प्रेमियों के द्वारा आग्रह किया गया है कि मंडला जिले में नर्मदा जी की पंचचौकी महाआरती प्रारंभ किया जाए। जैसा कि ग्वारीघाट, महाकालेश्वर उज्जैन, प्रयागराज, अयोध्या, उज्जैन जैसे इत्यादि पवित्र नगरों में किया जा रहा है। महाआरती के लिए साउंड सिस्टम की जाएगी। विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। स्क्रीन लगाई जाएगी, जिसमें संपूर्ण महाआरती प्रदर्शित होगी। उक्त स्क्रीन में विभिन्न प्रकार के विज्ञापन प्रदर्शित किए जा सकेंगे। कोई भी श्रद्धालु पंचचौकी महाआरती का आयोजन कर सकेगा। इसके लिए उससे विधिवत रूप से शुल्क लिया जाएगा। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बताया कि पंचचौकी महाआरती स्थल से अतिक्रमण हटाकर दुकानें व्यवस्थित रूप से स्थापित की जाएगी। पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। घाटों का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। सेल्फी प्वाईंट बनाए जाएंगे। नर्मदा नदी के तट पर सीमेंट के सोफे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देवउठनी एकादशी के दिन से माँ नर्मदा जी की महाआरती प्रारंभ की जाएगी। इस महाआरती में जिले के सभी श्रद्धालु व नागरिकगण शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि महाआरती रपटाघाट (माहिष्मति घाट) में प्रतिदिन नियमित रूप से संपन्न की जाएगी। महाआरती का समय सर्दी के मौसम में सायंकाल 6:30 बजे और ग्रीष्मकाल में सायंकाल 7:30 बजे होगी।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि ट्रस्ट और समिति के द्वारा नर्मदा जी की पंचचौकी महाआरती नियमित रूप से की जाएगी। महाआरती के लिए तैयारी और व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित होगी।

माँ लक्ष्मी के आगमन पर लोगों ने घर आंगन में सजाये गये जगमगाते हुये दीप

गाडरवारा

पांच दिवसीय दीपावली का त्यौहार बीते हुये गुरूवार को नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर लोगों ने अपने घरों में जहां धन की देवी माँ लक्ष्मीजी की विधि विधान के साथ पूजन, आराधना की गई तथा माँ लक्ष्मी से अपने घरों में सुख, समृद्वि आने की मनोकामना कर घरों को जगमग दीपों सुसज्जित कर लोगों ने दीपोत्सव की शुभकानाओं का आदान प्रदान करने के साथ साथ एक दूसरे के घरों में दीपक वितरण करते हुये जहां दीवाली की खुशियों का इजहार किया गया तो दूसरी ओर दीवाली के दिन सुबह से ही बाजार में जो चहल पहल का महौल देखने मिल रहा था उसके चलते बाजार की स्थिति इस प्रकार से बन चुकी थी कि उमड़े हुये हुजूम के बीच पैर रखने की जगह भी मुश्किल जान पड़ने लगी थी? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर में मोटर साईकिल सहित अन्य वाहनों की दुकानों पर देखने मिल रही थी जहां पर दुकानदारों द्वारा अपने ग्राहकों के स्वागत के लिये अपनी दुकानों को नई नबेली दुल्हन की तरह सजाते हुये दीवाली के दिन पहुंचने वाले ग्राहकों का स्वागत किया गया। वही दूसरी ओर नगर की मिठाई दुकानों पर भी दिन भर भीड़ का आलम देखने मिला तो दूसरी ओर पूजन सामग्री की दुकानों से लेकर फूल विक्रेताओं के यहां पर भी भीड भाड़ का आलम देखने मिला। इस तरह दीवाली के दिवस

पूजन का शुभ विशेष मुहुर्त शाम 6 बजे से शाम 8.30 बजे तक का होने के कारण लोगों के घरों में पूर्ण विधि विधान के साथ माँ लक्ष्मी जी का पूजन करने के साथ साथ शुद्व घी व तेल से जलाये गये दीपकों को अपने कुल देवताओं सहित घर के आंगनों में रखे जाने के कारण संपूर्ण महौल पूर्णरूप से जगमग होते हुये देखने मिला। वही दूसरी ओर देखा गया कि दीपावली की रात जहां बच्चों व युवाओं ने संगोलियों से सजे हुए घर आंगनों व सड़को पर उत्साह के साथ जमकर फटाखें फोड़ वातावरण को सप्तरंगी प्रकाश से ओत प्रोत करने के बाद विविध प्रकार के व्यंजन, मिठाईयाँ खाकर दीपावली मनाने के अपने उत्साह का प्रदर्शन किया। इस प्रकार से दीपों के बीच खुशिया मनाने का त्यौहार जहां नगरवासियों सहित संपूर्ण क्षेत्र में हर्ष उल्लास के साथ मनाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। लोगों द्वारा अपने घरों को तो दीपों से जगमग किया ही गया था साथ ही भगवान सहित देवी मंदिरों से भी जलते हुये दीपों से अनोखी छटा देखने मिल रही थी। वही दूसरी ओर दीवाली की रात शहर की मुहल्ला कालोनियों की बात दूर खुलेआम मुख्य सड़को पर जुंआ के फड चलते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे थें? शहर के पानी टंकी सहित अन्य जगहों के हालत तो इस प्रकार से दिखाई पड रहे थें कि जुआरियों द्वारा खुलेआम सार्वजनिक जगहों रोड किनारे ही बैठकर जुआ खेलने से नही चूक रहे थें। वही नगर में चले जुआ के अवैध कारोबार की सच्चाई दीवाली के दूसरे दिन यानि की शुक्रवार की सुबह खुद ही जुआरियों के मुंह से सुनी जाने लगी कि शहर में अनेक जगहों पर लाखों के दांव चलते रहे और पुलिस के पहुंचने के पहले ही भागने में सफल होते रहे। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि निष्ठावन उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक उमेश तिवारी द्वारा जुंआ के खेल पर अंकुश लगाने के लिये लगाई गस्त के दौरान अनेक जगहों पर छापा डालते हुये जुआरियों को पकड़ने में सफलता भी हासिल की गई है। वही लगतार दूसरे साल देखने मिला कि दीवाली पर्व चौदस को होने तथा दूसरी ओर अमावस्या के चलते लोगों द्वारा गोर्वधन पूजन नही किया गया जिसके चलते लोगों ने अपने घरों में भगवान गोवर्धन जी का पूजन शनिवार को किया गया तो आज रविवार को भाईदूज का त्यौहार मनाया जावेगा। भाई दूज पर्व के चलते आज बहिन भाई के माथें पर तिलक लगायेगी।

खबर संक्षेप

सालीचौका में अन्य बैंक शाखायें स्थापित किये जाने की उठाई जा रही है मांग ..

सालीचौका। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार की योजनाओं चलाते हुए उनका भला किया जा रहा है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में शासन द्वारा बरती जा रही जरूरी चीजे उपलब्ध नही कराये जाने के कारण ग्रामीण जन इसका लाभ नही ले पा रहे है? जिसके प्रमुख रूप से देखा जावे तो सरकार द्वारा चलाई जा रही लगभग सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए हर व्यक्ति का बैक में खाता होना जरूरी है जिसके लिए कुछ राष्ट्रीयकृत बैकों को शामिल किया गया है। मगर सालीचौका में अभी तक न तो कोई बड़ी बैक की स्थापना हो पाई है और न हो कोई प्रयास होते हुये देखे जा रहे है संपूर्ण क्षेत्र की जिम्मेदारी यहां पर स्थिति मात्र एक छोटी यूको बैक के भरोसे ही चलते हुये देखी जा रही है जो क्षेत्रवासियों को अपने लेनदेने के लिये परेशान होते हुये देखा जाता है। जबकि देखा जावे तो सालीचौका से क्षेत्र में आधा सैकड़ो से भी अधिक गांव जुडे होने के साथ साथ यहां पर अनेक शुगर मिले, राईस मिलों के आलवा पुलिस थाना, हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल सहित शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र सहित रेलवे स्टेशन स्थापित है। मगर इसके बाद भी यहां पर संपूर्ण कार्य मात्र एक छोटी बैक के भरोसे संचालित होने के कारण लोगों को न तो समय पर शासन की योजनाओं को लाभ मिल पा रहा है और न ही क्षेत्रवासी अपना जरूरी लेनदेन कर पा रहे है? इस स्थिति में क्षेत्र के लोगों को मजबूरी बस गाडरवारा या फिर चीचली भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। जबकि यहां पर भारतीय स्टैट बैक सहित अन्य दूसरी राष्ट्रीयकृत बैक की स्थापना होना अति जरूरी समझा जाने लगा है। बताया जाता है कि सालीचौका में मात्र एक बैक होने के कारण जहां आमजन बैक के अधिकारियों के रवैया को लेकर परेशान होते हुये देखे जाते है तो जब कोई व्यक्ति अपने खाते से अधिक राशि निकालने के लिये पहुंचता है तो उसे अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझना पड़ता है। कहने के लिये तो यहां पर एटीएम स्थापित किया गया है मगर आये दिन उसमें रूपयों का आभाव यानि की खाली पड़ रहते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? इस तरह सालीचौका क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुये यहां पर अन्य दूसरी बैक की स्थापना होना अति आवश्यक महसूस किया जाने लगा है।

दीवाली की खुशिया मातम में हुई तब्दील, छोटा जबलपुर पिकनिक मनाने गये युवक की हुई मौत

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली पुलिस थाने के अंतर्गत जंगल क्षेत्र में वन भूमि पर स्थापित छोटा जबलपुर के नाम से पहुंचाने जाने वाला क्षेत्र आये दिन दुर्घटनाओं का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। बताया जाता है कि शायद ऐसा कोई तीज त्यौहार शेष नही रहता हो जब यहां पर घटित होने वाली घटनाओं के चलते किसी की मौत की खबर सुनाई देने से चूकती हो..? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा घटनाओं के लिये प्रमुख बन चुके इस स्थान में लोगों को पहुंचने की छूट प्रदान की जाती है। हैरत की बात तो यह है कि यह स्थान वन विभाग के अधीन होने के बाद भी विभाग द्वारा 24 घंटे पहरेदारी किये जाने के बाद भी लोग यहां पिकनिक मनाने के लिये पहुंचते है और दुर्घटनाओं को शिकार होने से नही बच पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये शुक्रवार को उस समय देखने मिली जब दीवाली के दूसरे दिन जब चीचली क्षेत्र से कुछ लोग छोटा जबलपुर के नाम से प्रसिद्व जंगल क्षेत्र के इस स्थान पर पिकनिक बनाने गये हुये थें जहां पर एक युवक की पानी मे डूबने से मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि समीपस्थ चीचली थाना मोहल्ला निवासी युवक नीलेश कुशवाहा उम्र लगभग 22 साल अपने कुछ दोस्तों के साथ छोटा जबलपुर पिकनिक मनाने के लिये गया हुआ था जब वह वापिस नही आया तो परिजनों द्वारा इसकी सूचना चीलची पुलिस को दी गई जिसके चलते चीचली पुलिस द्वारा गुम इंसान का मामला कायम करते हुये मौके पर खोजबीन की गई तो युवक का शुव पानी के अंदर पत्थरों के बीच फसा हुआ पाये जाने पर पुलिस द्वारा युवक की मौत पर शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर शव का पोस्ट मार्टम उपरांत मर्ग कायम करते हुये जांच में लिया गया है। इस तरह शासन प्रशासन की अनदेखी के चलते छोटा जबलपुर क्षेत्र में आये दिन किसी न किसी का दीपक बुझते हुये देखा जा रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई चीचली कुशवाहा परिवार में देखने मिली है जिन्होंने एक दिन पहले जहां दीपक जलाते हुये पूरे घर को रोशन किया तो दूसरे दिन उनके घर का दीपक बुझने के चलते दीवाली की खुशिया मातम में तब्दील होने से नही बच पाई।

नगर के पुराने कालेज खेल मैदान पर 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन आज से, नपा अध्यक्ष ने ली व्यवस्थाओं से जुडी बैठक

गाडरवारा। *नगर के इतिहास में पहली बार इस तरह का आयोजन होने से अब हमारे नगर की पहचान दूर दूर तक पहुंचने से नही चूक पायेगी। नगर में 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन आज 3 नवंबर से स्थानीय रूद्र कॉलेज मैदान मे प्रारंभ हो रहा है। उदघाटन कार्यक्रम 3 नवंबर को दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा। उल्लेखनीय है कि 17 वर्षीय बालक/ बालिका आयु वर्ग में राज्य स्तरीय 68 वीं शालेय कबड्डी प्रतियोगिता 3 नवम्बर को प्रारंभ होगी जो 6 नवम्बर तक आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, रीवा, सागर व जबलपुर संभाग के खिलाड़ी और ऑफीशियल्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता मे शामिल होने के लिए संभागों की टीमे श्रीधाम एक्सप्रेस, अमरकंटक एक्सप्रेस, जन शताब्दी एक्सप्रेस नर्मदा एक्सप्रेस, ओव्हरनाईट एक्सप्रेस से इटारसी पैसेंजर और बस द्वारा आ चुकी है। स्टेशन पर टीमों के आगमन पर शिक्षा विभाग के कर्मचारियों ने फूल माला एवं तिलक से टीमों का भव्य स्वागत किया एवं बसों से टीमों को आवास स्थल लाया गया।बालक एवं बालिका वर्ग हेतु टीमों के लिये आवास व्यवस्था अलग अलग की गईं है। बालक वर्ग की टीमों को आदर्श स्कूल गाडरवारा, क्रेयान एवं क्राइस्टचर्च स्कूल एवं बालिका वर्ग की टीमों को टीवीएन, एनपीएस एवं आदित्य पब्लिक स्कूल को ठहराया गया है जबकि नाश्ते एवं भोजन की व्यवस्था कन्या नबीन स्कूल मे रखी गईं है। विदित हो कि जिला कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा प्रतियोगिता के संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर उनमे अधिकारियो एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सोंपी है। प्रशासन द्वारा आयोजन से जुडी व्यवस्थाओ को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी के चलते नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने शनिवार को शासकीय आदर्श स्कूल गाडरवारा पहुंचकर 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारियों का जायजा लिया एवं विभिन्न समितियों से जुड़े कर्मचारियों की बैठक लेते हुये जरूरी दिशा निर्देष दिये गये। नपा अध्यक्ष मिश्रा ने खिलाड़ियों के रूकने के लिए आवास, भोजन, मंच संचालन, कबड्डी बालक/ बालिका निर्णायक समिति, मैस स्थल सुरक्षा व यातायात व्यवस्था, परिवहन सहित प्रतियोगिता से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ी आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि गाडरवारा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता बड़ा आयोजन है। इसमें प्रदेश के सभी संभागों से खिलाड़ी, कोच, मैनेजर सहभागिता करेंगे। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मिल जुलकर- आपसी समन्वय से बेहतर कार्य करें, उत्कृष्ट व्यवस्थायें सुनिश्चित करें और अच्छी तरह से यह प्रतियोगिता सम्पन्न करायें। इस अवसर पर तहसीलदार सुश्री प्रियंका नेताम ने भी आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बीईओ प्रतुल इंदुरख्या, नीलम मरावी, बीआरसी डी के पटैल, संदीप स्थापक सहित, अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। विदित हो कि इस प्रतियोगिता मे प्रदेश के समस्त संभागों से स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय विभाग के अनेक छात्र छात्राएँ सहभागिता करेंगे।*

नर्मदा भक्तों ने ककराघाट पर दीप जलाते हुये दिया अनोखा संदेश, दीपों की रोशनी से जगमग हुआ माँ रेवा का तट

गाडरवारा। वैसे देखा जावे तो दीपावली के पावन मौके पर क्षेत्र की सभी नर्मदा तटों पर भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूकती है और दिन भर मेले जैसे महौल देखा जाता है। इसी के चलते दीपावली के मौके पर जहां नर्मदा तटों पर स्नान करने के लिये भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई। मगर वही दीवाली की रात देखने मिला है कि दीवाली के रात नर्मदा भक्तों से जिस तरह क्षेत्र की रक्षक माने जाने वाली माँ नर्मदा जी के तट को दीपों की रोशनी से नहाया गया है वह निश्चित तौर से आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पाया है। बताया जाता है कि दीवाली की रात माँ रेवा मैय्या के भक्तों ने समीपस्थ ककराघाट पहुंचाते हुये संपूर्ण क्षेत्र में हजारों की संख्या में दीप चलाते हुये संपूर्ण नर्मदा तट को रोशन करने के साथ माँ नर्मदाजी से सुख समृद्वि की कामना करते हुये पूजन किया गया। वही दूसरी ओर प्रार्थना की गई कि है क्षेत्रवासियो की रक्षा माँ सदा ही तेरे अंचल में निवास करने वाले अपने पुत्रों के ऊपर रक्षा कवच बनाते हुये उनकी समृद्वि के लिये आर्शीवाद प्रदान करती रहना जिससे पहले की तरह तेरे पुत्रों पर कोई भी बड़ा संकट आने के पूर्व समाप्त हो जावे।

शुरू हुआ गांव गांव मडई मेलों का आयोजन, आज भी आकर्षण का केन्द्र बन रहे है यह मेला

गाडरवारा। भले ही इस समय सभी व्यवस्थाएं हाईटेक होती चली जा रही है। मगर गांवों में जिस प्रकार से पूर्वजों के समय से जो परम्पराएं चली आ रही है उनका महत्व आज भी गांवों में देखने मिल रहा है और लोगों के बीच वह आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूकते है। इसी में शामिल मढ़ई मेले के आयोजन को भी देखा जाता है जो दीवाली के दूसरे दिन से शुरू होते हुये गांवों में जिस प्रकार से मढ़ई मेले के आयोजन की शुरूआत होती है वह पूर्णिमा तक लगातार जारी रहती है और इस मढ़ई मेलों को लोगों द्वारा गांवों में आज भी उतना ही महत्व दिया जाता जो पूर्व के समय में दिया जाता था। बताया जाता है कि गांवों में मढ़ई का आयोजन इस उद्वेश्य से किया जाता था कि मरहई माता गांव की रक्षा करती है और वर्ष में एक बार उसकी पूजन करने के लिये हर गांव में मढ़ई मेला लगाया जाता है उसी परम्परा के चलते शहरों के साथ साथ आज भी दीवाली के बाद इस प्रकार से मढ़ई मेले भरते हुये देखे जाते है। अनेक जगहों पर तो इस प्रकार का रिवाज होता है कि मढ़ई मेला लगने के दिवस अपने रिस्तेदारों को निमंत्रण करते हुये उनकी आव भगत की जाती है और गांव में लगने वाले मढ़ई मेले में घुमाते हुये मरहई माता के दर्शन कराये जाते है। इस प्रकार से गांव गांव लगने वाले मढ़ई मेले के दौरान ग्राम के लोगों द्वारा मोर पंख से सजी हुई ढाल ले जाई जाती है जो अस्थाई रूप से स्थापित की जाने वाली मरहई माता के मठ पर रखी जाती है और सभी ग्रामवासी उस स्थल पर पहुंचकर परिक्रमा करते हुये पूजन करते है तथा अपने ग्राम व क्षेत्र की सुख शांति की कामना की जाती है। इस प्रकार से लगने वाले मढ़ई मेलों में दूर दूर के दुकानदार अपनी दुकानें लेकर पहुंचते है जिसमें अनेक प्रकार के मनोरंजन के साधन भी मौजूद रहते है जहां पर बच्चे मौज मस्ती करते है। इस तरह से लगने वाले मढ़ई मेलों का बच्चों सहित ग्राम के लोगों को दीवाली होते ही इंतजार हो जाता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस नगर सहित क्षेत्र में अनेक जगहो पर मढ़ई मेले का आयोजन हुआ जो आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूका। क्योंकि इस वर्ष अमावस्या दो दिन होने के कारण कुछ लोगों द्वारा परमा का त्यौहार कुल शनिवार को मनाया गया। इन मढई मेले में जहां अनेक लोग अपनी ढाले लेकर पहुंचे जिनका देर रात तक प्रदर्शन चलता रहा वही दूर दूर से आये हुये दुकानदारों द्वारा इस मेले में अपनी दुकाने लगाते हुये इस मेले को आकर्षक बनाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी।

विधायक पटेल ने सगौरिया गौशाला में में पहुंचकर किया गोवर्धन पूजन

खुलरी। हमारी संस्कृति में हर त्यौहार एक अलग ही महत्व रखता है। इसी प्रकार से दीवाली के बाद गोवर्धन पूजन का जो महत्व होता है उसके चलते बीते हुये शनिवार को तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ग्राम पंचायत सगौरिया स्थित गौशाला में पहुंचकार गोवर्धन पूजा में शामिल होते हुये उन्होंने यहां गौ माता का पूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें बनाया है हमें प्रकृति की पूजा करनी चाहिए तथा प्रकृति की रक्षा भी करनी चाहिए। गौसेवा हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिये। क्योंकि गौमाता में सभी देवताओं का निवास होता है। मात्र गाय माता के पूजन से सभी देवताओं की पूजन हो जाती है। गाय माता के दूध का उपयोग करने से जहां मनुष्य के अंदर अनेक प्रकार की बीमारियों का नाश होता है तो दूसरी ओर यदि गाय के गोबर में हम अपने घर द्वार की लिपाई करते हुये हो वहां पर भगवान प्रसन्न होते है। इसी के चलते महिलाये माँ लक्ष्मी जी के आगमन के दौरान दीवाली के दिन गाय माता के गोवर से अपने घरों की लिपाई करती है। मगर बडे ही हैरत के बाद है कि हम गाय माता की सेवा करने के जगह अन्य इस तरह के जानवरों की सेवा करते हुये उन्हें अपने घरों में पाल कर गाड़ियों पर घुमाने लगे है। अन्य जानवर को पालने से भी कम खर्च पर हम घर में गाय माता को पाल सकते है। जों हम दूध देने के साथ साथ उसके गोबर व मूत्र से अनेक प्रकार की बीमारियों से निजात पाने में सफल हो सकते है। इस अवसर पर पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, अवधेश प्रताप सिंह पटेल, रमाकांत शर्मा, डॉ. हरगोविंद पटेल, प्रताप कौरव सहित अन्य लोग मौजूद थें।

रहवासी क्षेत्रों में रात भर होने वाली ठोका पीटी पर नहीं लग रही रोक, नगरवासी परेशान

गाडरवारा। जहां एक ओर मा. न्यायालय द्वारा रात 10 बजे के बाद सभी प्रकार के ध्वनियंत्रों पर रोक लगा रखी है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर के मध्य व रहवासी क्षेत्र में जहां तहां खुले वार्क शांप सहित अन्य लोहे का सामन बनाने वाले तथा कथित कारखाने नुमा दुकानों पर रात रात भर लोह के समान की ठोका पीटी होने के कारण लोगों को जहां रात में सोने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वही दूसरी इन दुकानों पर लोहे की ठोक पीट के चलते घरों में वृद्व मरीज भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के मध्य अनेक जगहों पर लोहे की ट्राली सहित अन्य वस्तुओं का रात रात भर निर्माण करते हुए जमकर ठोक पीट की जाती रहती है, जिसके चलते आसपास के क्षेत्र में निवास करने वाले लोग सो नही पा रहे है, इस प्रकार से रात भर ध्वनि करने वालों के खिलाफ न तो प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही पुलिस प्रशासन जिसके चलते इनक हौसले बुलंद बताये जा रहे है? जिसका उदाहरण इस समय के अंदर संचालित हो रहे अनेक वर्कशांपों देखने मिल रहा है, जहां पर बताया जाता है कि नगर के रहवासी इलाको में रात रात भर लोहे की ठोक पीट होती रहती है, जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है? वही जानकारो के अनुसार बताया जाता है कि इस प्रकार के लोहे से बनने वाले सामन की दुकान व वर्क शांप नगर के अंदर वह रहवासी क्षेत्रों में स्थापित नही किये जा सकते है? फिर भी नगर में प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां तहां बैलडिंग मशीन चल रही है, वही लोहे से बनने वाले समान की दुकाने जिसके कारण नगरवासियों का परेशान होना पड़ रहा है।

घर घर हुई भगवान गोवर्धन जी का पूजा, परिक्रमा लगाते हुये मांगा आशीर्वाद

गाडरवारा। शहर हो या फिर गांव हमारे सनातन धर्म के अनुसार भी प्रकार के त्यौहार बडे ही धूमधाम के साथ व विधि विधान से मनाये जाने की जो परम्परा रहती है वह आज भी शहरों से लेकर गांवों में देखने मिलती है। इस बात की सच्चाई कल शनिवार को उस समय देखने मिली जब शहर से लेकर गांवों में लोगों द्वारा अपने घर के आंगनों में स्थापित किये गये गोवर्धन भगवान यानि की गाय के गोबर से निर्मित किये गये गोधन का पूजन परिवार के सदस्याओं द्वारा मिलकर पूजन किया गया। वैसे तो यह पूजन दीवाली के दूसरे दिन होता है। मगर इस वर्ष अमावस्या दो दिन होने के कारण गोवर्धन पूजन एक दिन के बाद यानि की शनिवार को हुआ है। इस तरह गोवर्धन पूजन के दौरान लोगों के परिवारो में जिस तरह भाईचारे का नजारा देखने मिला कि पूरा परिवार एक साथ होकर भगवान गोवर्धन जी का पूजन करते हुये उसकी परिक्रमा लगाते हुये देखे गये और भगवान से किसानों द्वारा सुख समृद्वि की कामना की गई।

खबर संक्षेप

करौंदी स्थित शारदा मां गौ सेवा समिति गौशाला में मनाया गया गोवर्धन पूजा पर्व

शहपुरा। जिले के शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम करौंदी स्थित शारदा मां गौ सेवा समिति गौशाला में शनिवार को गोवर्धन पूजा पर्व के दिन विधि-विधान से गौपूजन किया गया। यहां गायों और गौवंश की पूजा करते हुए उन्हें पकवान और मीठा खिलाया गया। गौपूजन के दौरान पशु चिकित्सा विभाग शहपुरा के चिकित्सक व उनकी टीम, शारदा मां गौ सेवा समिति के अध्यक्ष टेकेश्वर साहू, रजनी साहू, प्रमिला साहू, शिवम, दीपेश, सपना, राधिका, आस्था, आयुषी, देविका, नमामि, छविश्री, रूचिश्री, भावना, भीमशंकर साहू, गौसेवक हरिलाल बनवासी सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मारपीट का विवाद पहुंचा थाने

अनूपपुर/बिजुरी। शुक्रवार को बिजुरी थाना क्षेत्र मे दो पक्षो मे मारपीट हो गई जिससे आहत पीडित सत्यम कोरी पुलिस थाने पहुंचा जिसकी शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 269/24 धारा 333, 115 (1), 296, आईपीसी 351 (3) (2) (5) बीएनएस (3) (1) घ, (3) (2) (5) क के तहत एसटीएसटी एक्ट दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

गोवर्धन पूजा की खराब पर परासी सचिव निलंबित

अनूपपुर। जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परासी के सचिव शिवकुमार पनिका को निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायत परासी में 02 नवम्बर को गोवर्धन पूजा कार्यक्रम की व्यवस्था अत्यन्त खराब होने से कार्यक्रम के सम्पादन में बहुत कठिनाई होने के कारण तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेश-निर्देश की अवहेलना कर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन न करते हुए घोर लापरवाही बरतने पर मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999, भाग 2, नियम-4 के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में सचिव शिवकुमार पनिका का मुख्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर नियत किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

अनूपपुर। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम रविवार 03 नवम्बर 2024 को शाम 4 बजे से एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कार्यक्रम में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु जिन अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं उन्हें अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन को कहा है। कलेक्टर ने कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, पत्रकारों आदि से उपस्थिति की अपील की है।

एंबुलेंस चालकों की हुई आकस्मिक चेकिंग

अनूपपुर। जिला चिकित्सालय एवं प्राइवेट हॉस्पिटल में संलग्न एंबुलेंस के चालकों को आकस्मिक चेकिंग लगाकर ब्रेथ एनालाइजर से चेक किया गया जिसमे कुल 12 एंबुलेंस के चालकों को चेक किया कोई भी चालक शराब के नशे में नहीं पाया गया। एंबुलेंस चालकों को चेक कर उन्हें ट्रैफिक रूल्स एवं सड़क पर चलते समय सावधानियो के विषय में बताया गया।

गोवर्धन पूजन के अवसर पर अहीर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति

ग्रामीण संस्कृति और परंपरा को हमें बचा कर रखना है: ओम प्रकाश धुर्वे

मेहंदवानी विकासखंड के कठोतिया ग्राम पंचायत में गोवर्धन पूजा और गौ संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। मेहंदवानी विकासखंड के कठोतिया ग्राम पंचायत में गोवर्धन पूजा और गौ संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन शहपुरा विधायक श्री ओम प्रकाश धुर्वे के मुख्य आथित्य में हुआ। उक्त कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अवधराज बिलेय्या, मेहंदवानी जनपद पंचायत अध्यक्ष, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, उपसंचालक पशुपालन श्री एचपी शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधायक श्री ओम प्रकाश धुर्वे ने गौमाता और कन्याओं का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए, अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गोपालकों और गौसंरक्षण के लिए जो प्रयास कर रहे है, उसे हम सब को मिलकर पूरा करना है,गौमाता की सेवा करने में हम सबको मिलकर सहयोग करना है। उन्होंने गोवर्धन पूजन के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि गौमाता को लेकर मनिहार सुबह से निकल जाते है, जहाँ भी मनिहार पहुंचते है,वहां उनका स्वागत गौमाता के साथ ग्रामीणों द्वारा किया जाता है, इस दौरान क्षेत्र में उत्सव मनाया जाता है, लोग रीना और सैला गीत गाते है।इस ग्रामीण संस्कृति और परंपरा को हमें बचा कर रखना है,परम्पराओं को बनाये रखने के लिए सामूहिक प्रयास की जरुरत है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रयासों से सरकार गोपालकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड लेकर आयी है, जिसके माध्यम से 1 पशुधन पर 15000 रूपए तक की सुविधाएं प्राप्त हो रही है। पशुपालन क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अच्छी नस्ल के पशु पालने में सुविधा होती है।

अहीर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति

गोवर्धन कार्यक्रम के दौरान अहीर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गयी।गोवर्धन पर्व क्षेत्र के अहीर समाज का प्रमुख पर्व है, इस अवसर पर गोपाल अपने अपने गौवंश का श्रृंगार करते है। गौमाता की पूजन करते हुए गोपालों की टोली छाहुर बांधते है, नृत्य करते हुए नृतकों की टोली देवी की आराधना कर देवी का आवाहन करते है। अहीर नृत्य पुरुष परक नृत्य है, जिसमें अहीर समाज के लोग भगवान कृष्ण को समर्पित दोहा गाते हुए, बांसुरी, थाली, ढोलक, बजाते है और नृत्य करते हुए गांव में घूमते है। इस दौरान नृतक झूमर धारण करते है,जोकि कोड़ी और ऊन से बनायीं जाती है एवं सिर पर मोरपंख धारण करते है। कार्यक्रम में रंगारंग प्रस्तुति देने वाले नृतकों को विधायक श्री धुर्वे ने नेक देकर सम्मानित किया।

गोवर्धन पूजा

गोवर्धन पूजा कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाया जाता है, इसे अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। गोवर्धन पर्व का सम्बन्ध भगवान श्री कृष्णा की बाल लीला से है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गोकुलवासीयों पर क्रोधित हुए, इंद्र के प्रकोप से बचाने और इन्द्र का अभिमान तोड़ने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने अपनी छोटी ऊँगली पर गोवर्धन पर्वत धारण किया और इन्द्र के अभिमान को खत्म कर गोकुलवासियों की रक्षा की, तभी से सभी भगवान कृष्णा की आज्ञानुसार प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजन करते है। गोवर्धन पूजा के दिन मिट्टी के गोवर्धन बनाए जाते हैं, भगवान कृष्ण और गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाती है। अन्नकूट का आयोजन किया जाता है, अन्नकूट का अर्थ है, अन्न के मिश्रण जिसे भगवान श्री कृष्ण को भोग के रूप में चढ़ाया जाता है. जिसमें कई व्यंजन शामिल होते है। इस दिन गौ-पूजा और गौ-दान किया जाता है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के संरक्षण, गौ-रक्षण, और समाज में एकता और सौहार्द के महत्व को सिखाती है।

जिले में गौ संरक्षण और गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

कलेक्टर हर्ष सिंह ने लुटगांव गौशाला में मनाया गोवर्धन पर्व

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। आज पूरे प्रदेश में गोवर्धन पूजा और गौसंरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, इसी क्रम में जिले की सभी गौशालाओं में गोवर्धन पूजा का आयोजन हुआ।कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने ग्रामीण लुटगांव में स्थित गौशाला में पहुंच कर गौमाता की पूजा की। इस दौरान उपसंचालक पशुपालन श्री एचपी शुक्ला, सहायक संचालक श्री अभिनव शुक्ला, मेकलसुता कॉलेज प्राचार्य श्री बिहारी लाल द्विवेदी सहित गौशाला प्रबंधक, ग्रामीण और अधिकारीगण मौजूद रहे।कलेक्टर हर्ष सिंह ने गौमाता को पुष्पमाला पहनाकर पूजा की और गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त किया।उन्होंने इस दौरान गौशाला प्रबंधक से गौशाला की व्यवस्थाओं जैसे चाराव्यवस्था, पेयजल व्यवस्था आदि का जायजा लिया।

मृतक की पत्नी से बेड साफ कराने पर कार्रवाई

गाड़ासरई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की नर्सिंग ऑफिसर और आया निलंबित, मेडिकल ऑफिसर मुख्यालय अटैच

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाढ़ासरई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग में दिवंगत की पत्नी से चिकित्सालय का बिस्तर साफ कराया जाना पाया गया है।

जिस पर अग्रिम कार्यवाही करते हुए सीएमएचओ डॉ रमेश मरावी ने उक्त आपत्तिजनक/अमानवीय घटना के लिये जिम्मेदार जवाबदेह अधिकारी/कर्मचारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का आदेश जारी किया। जिसके अनुसार चिकित्सा अधिकारी डा० चन्द्रशेखर सिंह को अन्य आगामी आदेश तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करंजिया में संलग्न कार्य करने के लिए आदेशित किया है, इस दौरान वे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करंजिया मे मुख्यालय बनाकर निवास करते हुये पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे । नर्सिंग ऑफिसर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाडासरई श्रीमति राजकुमारी मरकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया,निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिंडोरी निर्धारित किया गया है।आया श्रीमति छोटी बाई ठाकुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया,इस दौरान इनका मुख्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिण्डौरी निर्धारित किया गया है।

अमरपुर में धूमधाम से मनाई गई दीपावली पर्व

अमरपुर। विकासखंड मुख्यालय अमरपुर के अलावा रामगढ़, बिजौरी, बरसिंघा, पड़रिया, चांदपुर, खजरी, भाखा, देवरी, चौरा, बटिया, भानपुर, अलोनी, नांदा, परसेल, कमरासोढा, सक्का, किसलपुरी, नेवसा, भपसा, धनवासी आदि समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में भी दीपावली का त्यौहार बड़े धूमधाम व उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे दिन तैयारी में जुटे लोगों ने शाम को अपने घरों को विद्युत झालरों, मोमबत्तियां और परंपरागत मिट्टी के बने दिए में तेल से रोशन किया गया और लक्ष्मी पूजन के पश्चात बच्चों द्वारा पटाखों की आतिशबाजी का प्रयोग किया गया। इस क्षेत्र में दूसरे दिन गोवर्धन पूजा एवं मौन व्रत रहकर अविवाहित लड़कों को गाय चराने की परंपरा भी हैं। इसकी मान्यता यह हैं कि द्वापर में भगवान श्री कृष्ण जी भी गाय चराने गए और अति बारिश के कारण गोवर्धन पर्वत को उठाना पड़ा। जिससे साथी ग्वाले एवं सभी गायें बारिश से सुरक्षित हो सके। वहीं मौन व्रत के कारण यह कहा जाता हैं कि गायों के प्रति धोखे में कहीं अपशब्द ना निकल जाएं। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्र में सुबह से गोवर्धन पूजा के बाद मौन व्रत रहकर गाय चराने का प्रचलन शुरू किया गया हैं। दीपावली पर्व के तीसरे दिन भाई दूज का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता हैं। बहनों ने अपने भाइयों की दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामनाएं लेकर उनका तिलक वंदन कर आरती उतारती हैं तथा मिठाई, पकवान आदि खिलाती हैं। बदले में भाई बहन को उपहार दिया करते हैं।

दीपावली पर कोतवाली पुलिस ने अलग-अगल मामलों में की कार्रवाई

9 माह से गुमशुदा नाबालिग को कवर्धा से कोतवाली पुलिस ने किया दस्तयाब

अनूपपुर। थाना कोतवाली अनूपपुर अंतर्गत निवासी ग्रामीण द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बालिका घर से अचानक बिना बताये चली गई है जो रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्र. 28/24 धारा 363 भारतीय दण्ड विधान पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई। विगत 09 माह से नाबालिग बालिका का कोई पता न चलने से परिजन दुःखी और परेशान होकर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान से कार्यालय में जाकर मिले जिनके द्वारा टीआई कोतवाली अरविन्द जैन को नाबालिग बालिका की पतासाजी किये जाने हेतु विशेष टीम गठित करने का निर्देश दिया गया, जिस पर थाना कोतवाली अनूपपुर से महिला उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, महेन्द्र राठौर, महिला आरक्षक अंकिता सोनी के द्वारा घटना स्थल एवं अनूपपुर, शहडोल, कटनी, जबलपुर, बिलासपुर के रेल्वे स्टेशनों के सी.सी.टी.वी. फुटेज एवं मोबाईल नम्बरो के काल डिटेल के आधार पर पतासाजी करते हुए 09 महीने से लापता 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को छत्तीसगढ़ राज्य के जिला कबीरधाम के पुलिस थाना पाण्डातराई अंतर्गत ग्राम से दस्तयाब कर परिजनो को सौंपकर दीपावली का उपहार दिया गया है।

उम्मीद खो चुके नाबालिग बालिका के परिजन अपने पुत्री को पाकर बेहद खुश है एवं परिजनो द्वारा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं कोतवाली पुलिस को हृदय से आभार दिया गया है। कोतवाली पुलिस द्वारा उक्त नाबालिग बालिका को अपने साथ भगाकर हैदराबाद ले जाने वाले दीपचन्द गोस्वामी पिता पुनीराम गोस्वामी उम्र 22 साल निवासी ग्राम दुलहरा, अनूपपुर को भी गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ से लाया गया है। जांच पर पाया गया कि नाबालिग बालिका के पास मोबाईल पर आये मिस्ड काल से लड़के ने दोस्ती बनाकर शादी का झांसा देकर अपने साथ हैदराबाद ले गया था जिसके विरूद्ध पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

दीपावली की रात फरार ईनामी स्थाई वारण्टी गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान जी के निर्देशन में दीपावली की रात टी. आई.कोतवाली अरविंद जैन, सहायक उपनिरीक्षक गोविन्द प्रसाद पनिका एवं आरक्षक संजय सिहं के द्वारा विगत तीन वर्षों से मारपीट के मामले में फरार चल रहे स्थाई गिरफ्तारी वारण्टी अयोध्या सिहं उर्फ मनोज पिता शुद्ध सिहं उम्र 45 साल निवासी ग्राम परसवार थाना कोतवाली अनूपपुर को दीपावली की रात ग्राम परसवार से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। अयोध्या सिहं के विरूद्ध माननीय न्यायालय सुश्री अंजली शाह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनूपपुर के द्वारा न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 615/21 धारा 294, 323, 506, 34 भा.द.वि. में स्थायी गिरफ्तारी वारण्ट जारी किया गया था। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा उक्त फरार स्थायी वारण्टी की गिरफ्तारी पर दो हजार रुपए नगद का ईनाम उदघोषित किया गया। फरार आरोपी विगत तीन सालो से अपना गांव छोड़कर हैदराबाद में रहकर मजदूरी कर रहा था जिसके कारण माननीय न्यायालय द्वारा स्थाई गिरफ्तारी वारण्ट जारी किया गया था। फरार आरोपी दीपावती पर्व पर त्यौहार मनाने हैदराबाद से घर आया था जिसकी जानकारी पुलिस को लगने पर गिरफ्तार किया गया।

शुक्रवार परीबा की रात मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली अनूपपुर से टी.आई. अरविन्द जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम उपनिरीक्षक प्रवीण साहू, सहायक उपनिरीक्षक महिपाल नामदेव, प्रधान आरक्षक महेन्द्र राठौर, शेख रशीद, आरक्षक अब्दुल कलीम, अमित यादव द्वारा ग्राम खांड़ा में जुआ फड़ पर रेड कार्यवाही की गई जिसमें अमर सिंह के घर के सामने मेन रोड़ किनारे ग्राम खांड़ा में 06 आरोपियो को ताश के पत्तो पर दांव लगाकर जुआ खेलते संजीव कुमार चन्द्रा (27 वर्ष) गणेश सिंह गोड़ उम्र (36 वर्ष) पुरुषोत्तम विश्वकर्मा (50 वर्ष) दीपक द्विवेदी (31 वर्ष) रामशरण चौधरी (55 वर्ष) दुर्गा चर्मकार (24 वर्ष) सभी निवासी ग्राम खाड़ा अनूपपुर के कब्जे से ताश के 52 पत्ते एवं कुल 2100 रुपए जप्त किया जाकर आरोपियो के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार किया गया है।

5 माह से वेतन को तरस रहे नगर पालिका कर्मचारी

तीन साल से पिछड़ती जा रही नगर पालिका की राजस्व वसूली

अनूपपुर। नगर पालिका अनूपपुर इन दिनों आर्थिक तंगी से जूझ रही है। इसके पास अपने कर्मचारियों को सैलरी देने के भी पैसे नहीं हैं। यहां के नियमित सहित अन्य कर्मियों को पांच महीने से वेतन नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि पूर्व परिषद ने विकास कार्यों के लिए हुडको से लोन लिया था। अभी स्थिति यह है कि शासन से मिलने वाली चुंगी की राशि इस लोन की किस्त चुकाने में ही चली जाती है। कुछ दिनों पहले वेतन नहीं मिलने से नाराज सफाई कर्मचारी और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, जिसके बाद उनके वेतन का भुगतान किया गया था, लेकिन अब फिर से वही स्थिति बन गई। आय बढ़ाने के लिए भी नगर पालिका किसी तरह के प्रयास नहीं कर रही। तीन साल से नगर पालिका की राजस्व वसूली भी पिछड़ती जा रही है। ज्ञात हो कि नगर पालिका में नियमित और दैनिक वेतन भोगी मिलाकर करीब 110 कर्मचारी हैं। इनके वेतन पर हर माह 24 से 25 लाख रुपए खर्च होते हैं। पूर्व में चुंगी के रूप में 24 लाख रुपए प्रतिमाह मिल रहे थे, वहीं समेकित कर एवं अन्य करों की वसूली के रूप में 5 से 6 लाख रुपए का राजस्व मिलता था। चुंगी की राशि लोन में कट जाने की वजह से नगर पालिका के समक्ष कर्मचारियों को वेतन देने का संकट भी हो गया है।

पिछले साल सिर्फ 40 फीसदी राजस्व कर की वसूली

नगर पालिका में इन दिनों चार सहायक राजस्व निरीक्षक हैं। इसके बावजूद राजस्व वसूली की रफ्तार सुस्त है। नगर पालिका को करीब 50 लाख का जलकर, एक करोड़ से ज्यादा संपत्ति कर वसूलना है। सभी प्रकार के कर को यदि जोड़ दिया जाए तो पूरे नगर में ढाई करोड़ रुपए की वसूली होना है। इन रुपयों की वसूली को नगर पालिका का रवैया हमेशा ढुलमुल ही रहा है। बीते वित्तीय वर्ष मे सिर्फ 40 फीसदी ही राजस्व कर की वसूली हो पाई थी। वर्ष 2023 में तत्कालीन कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने नगर पालिका को आर्थिक तंगी से उबारने के लिए विकल्प तलाशे थे, जिसके लिए सबसे पहले हॉकर्स जोन में दुकानों का निर्माण कराने की तैयारी की जा रही थी, कोतवाली तिराहे के पास स्थित नगर पालिका की संपत्ति को अतिक्रमण से मुक्त कराने के साथ ही दुकानों का निर्माण कराकर उसे किराए पर दिया जाना था, वहीं राजस्व की वसूली में तेजी लाने के लिए सीएमओ को कहा गया था। कलेक्टर के ट्रांसफर होते ही सारी योजनाएं ठंडी पड़ गईं।

इनका कहना है

आर्थिक समस्या होने के कारण वेतन भुगतान नहीं हो पा रहा है। राजस्व वसूली में तेजी लाई जाएगी।
अंजुलिका सिंह, अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद अनूपपुर

भोलगढ के जंगल में फांसी पर लटका मिला युवक का शव

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत भोलगढ के जंगल में अज्ञात कारणों से 35 वर्षीय युवक ने पेड़ में फांसी लगा ली घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस स्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है। घटना के संबंध में बताया गया कि पुलिसचौकी फुनगा अंतर्गत गांव निवासी 35 वर्षीय दिलीप यादव पिता प्रीतम यादव जो 30 अक्टूबर की शाम अपनी पत्नी रीता यादवसे यह कहकर घर से निकला कि फुनगा दाढ़ी बनवाने जा रहा हूं जो रात के समय घर वापस नहीं जाने पर पत्नी एवं परिजनों द्वारा खोज/बीन की गई इस दौरान बार-बार फोन करने पर फोन नहीं उठने से पुलिस चौकी फुनगा में सूचना दिए जाने पर टावर लोकेशन के आधार पर भोलगढ के जंगल में होना बताया गया। जिस पर परिजनों द्वारा गुरुवार की सुबह खोज/बीन दौरान दिलीप यादव भोलगढ़ के जंगल में एक महुआ के पेड़ में तौलिया से फांसी लगा हुआ मृत स्थिति में मिला जिस पर मृतक का भांजा संदीप पिता बृजवासी यादव निवासी बिजोड़ी ने कोतवाली थाना अनूपपुर को घटना की जानकारी दिए जाने पर सहायक उपनिरीक्षक महिपाल नामदेव, आरक्षक गिरीश चौहान के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा करते हुए मृतक के शव को शव परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेज कर जांच प्रारंभ की प्रारंभिक जांच में मृतक दिलीप यादव के फांसी लग कर मृत होने का कारण ज्ञात नहीं हो सका है।

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 3 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सुयश बने सोशल मीडिया संयोजक

नरसिंहपुर। जिले के ग्राम लौकीपर निवासी भाजपा सोशल मीडिया के प्रदेश सह संयोजक सुयश त्यागी ने जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री डॉ हरगोविंद सिंह, ठाकुर राजीव सिंह, मंडल अध्यक्ष रमाकांत चौबे, पुरषोत्तम पटेल,जिला सोशल मीडिया प्रभारी श्रीकांत श्रीवास्तव ,युवा मोर्चा अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव ,जीतेन्द्र तिवारी, संजय नामदेव, गौरव जैन, शिवम चैबे सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नदी में डूबने से युवक की मौत, 12 घंटे बाद मिला शव

नरसिंहपुर। जिले के थाना क्षेत्र चीचली निवासी नीलेश कुमार कुशवाहा उम्र 22 वर्ष दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया हुआ था जहां पर नहाते समय डूबने से मौत हो गई । शुक्रवार को नीलेश अपने 6 दोस्तों के साथ छोटा जबलपुर पिकनिक मनाने गया था और नदी में नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग, गाडरवारा और चीचली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और रेस्क्यू दल ने रातभर कोशिश की। लगभग 12 घंटे के बाद युवक का शव बरामद किया। चीचली पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और विस्तृत जांच शुरू कर दी है। चीचली थाना प्रभारी रोहित पटेल ने बताया कि नीलेश नाम का युवक अपने 5-6 साथियों के साथ छोटा जबलपुर गया हुआ था इसी दौरान पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई गई। शनिवार दोपहर उसका शव बरामद हुआ है जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

कबड्डी प्रतियोगिता में टीमों आगमन आज

नरसिंहपुर। राज्य शासन के लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा 17 वर्षीय बालक बालिका आयु वर्ग में राज्य स्तरीय 68 वीं शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के रूद्ध मैदान गाडरवारा में 3 से 6 नवम्बर तक किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में राज्य स्तर के सभी संभागों के प्रतिभागी खिलाड़ी एवं ऑफीशियल्स भाग लेंगे। ये टीमें ट्रेन एवं बस के माध्यम से 2 एवं 3 नवम्बर को गाडरवारा आयेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 नवम्बर को श्रीधाम एक्सप्रेस से सायं 7.13 बजे जनजातीय कार्य विभाग, अमरकंटक एक्सप्रेस से सायं 7.24 बजे भोपाल, जन शताब्दी एक्सप्रेस से रात्रि 8.41 बजे नर्मदापुरम और नर्मदा एक्सप्रेस से रात्रि 10.48 बजे उज्जैन संभाग की टीमें गाडरवारा आयेंगी।

गोटेगांव विधायक ने किया गौ माता का पूजन

गोटेगांव । समीपवर्ती ग्राम पंचायत श्रीनगर के गौशाला में गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश ने पहुंचकर गोवर्धन पूजा का शुभारंभ किया गौरतलब हो मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 2 नवंबर को गोवर्धन पूजा के लिए राज्य में गौशालाओं में गाय के पूजन अर्चन करने का निर्देश दिया था इसी क्रम में गोटेगांव विधानसभा के विधायक महेंद्र नागेश द्वारा श्रीनगर गौशाला पहुंचकर गौ माता को माला पहनकर चारा खिलाकर पूजन अर्चन किया विधायक ने कहा कि गाय के सम्मान में गोवर्धन पूजा गायों के प्रति दया दिखाने वाला त्यौहार है राज सरकार गायों के संरक्षण और सम्मान के लिए गोवर्धन पूजा मना रही है गौशाला के देखभाल करने वाले कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए देते हुए गौशाला को हमेशा साफ सुथरा सुरक्षित एवं गाय की बेहतर तरीके से देखभाल करने निर्देशित किया इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि पंकज चौकसे भाजपा नेता एकम सिंह पटेल, सतीश पटेल,मंडल अध्यक्ष अभिषेक पटेल,दादूराम पटेल, सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सूचना बोर्ड में नहीं बदले अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के नाम

गोटेगांव।-जनपद पंचायत गोटेगांव के तहत मौजूद ग्राम पंचायतों में रहवासियों को पारदर्शिता के तहत पंचायत से लेकर तहसील और जिले के प्रमुख अधिकारियों की जानकारी मोबाइल नम्बर के साथ अंकित कराई जाती है। यदि किसी अधिकारी का तबादला हो जाता है तो उसके स्थान पर आने वाले अधिकारी का नाम अंकित किया जाता है ताकि पंचायत स्तर के रहवासियों को जानकारी रहे कि जिले में कौन अधिकारी कार्यरत है।

हर्षोल्लास से मनाया गया दीपों का महापर्व दीपावली

देर रात तक चलती रही आतिशबाजी

दीपों से जगमगाया जिला

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। विगत दिवस सम्पूर्ण जिले हर्षोल्लास के साथ दीपों का महापर्व दीपावली धूमधाम से मनाया गया। मां लक्ष्मी के पूजन के साथ महालक्ष्मी की पूजन का महापर्व दीपावली शहर सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास पूर्ण मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने अपने अपने घरों में सुंदर विद्युत साज सज्जा के साथ महालक्ष्मी के पूजन अर्चन हेतु रंगोलियां बंधन द्वार सजाया, शुभ मुहूर्त में पूजन अर्चन की गई बच्चों द्वारा जमकर आतिशबाजी की गई साथ ही उत्साह का वातावरण देखा गया।

रोशनी से जगमग रहा जिला- दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। घरों में दीप जलाकर दीपावली मनाया गया। पूरा शहर रोशनी से नहाया हुआ था। लोगों ने अपने घरों में रंगोली बनाकर एवं दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने गेंदा फूल के अलावा रंग-विरंगे झालरों से दुल्हन की तरह सजाया गया। सुबह से ही दुकानों पर मिठाइयों की जमकर खरीदारी की गई। बाजारों में पर्व को लेकर भारी भीड़ रही। ज्यादा भीड़ होने के कारण शहरी क्षेत्र के अधिकांश बाजारों में जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि, पुलिस भी पर्व को लेकर सतर्क नजर आई। पर्व को लेकर कंदेली मेन बाजार में भारी भीड़ देखने को मिली। इसके साथ-साथ लोगों में उत्साह सा दिखाई दिया। दीपावली का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया गया। सभी लोगों में शाम को माता लक्ष्मी व गणेश की पूजा-अर्चना की। लोगों ने आतिशबाजी का खूब मजा लिया। बच्चे, महिलाओं व पुरुषों ने खूब पटाखे फोड़े। श्री लक्ष्मी गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना वैदिक रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ की गई। क्षेत्र के ज्यादातर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लक्ष्मी-गणेश की पूजा-अर्चना की गई। त्योहार को लेकर क्षेत्रवासियों ने अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों को दीपक एवं इलेक्ट्रॉनिक लाइट से सुंदर ढंग से सजाया। पूरा क्षेत्र पटाखों की तेज आवाज से गूंजता रहा।

ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई- दीपोत्सव का पर्व दीपावली ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई। इस दौरान लोगों ने पूजन के लिए खरीदारी की। शाम को घरों में लक्ष्मी पूजन हुआ। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की बधाई दी। जिले के सभी बाजारों में विशेष सजावट की गई। दीपावली पर्व को लेकर लोगों ने जमकर आतिशबाजी का आनंद लिया। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की बधाई दी।

गोवर्धन पूजन शामिल हुये विधायक- तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल शनिवार को ग्राम पंचायत सगौरिया की गौशाला में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने यहां गौ माता का पूजन किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें बनाया है हमें प्रकृति की पूजा करनी चाहिए तथा प्रकृति की रक्षा भी करनी चाहिए। गौसेवा हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिये। इस अवसर पर पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, अवधेश प्रताप सिंह पटेल, सरपंच, अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। श्रीनगर में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश ग्राम पंचायत श्रीनगर में गौ सेवा केन्द्र में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने गौ माता की पूजा की और उन्हें मिष्ठान व फल खिलाये। उन्होंने बताया कि सरकार ने निर्णय लिया है कि गौशाला में गाय पालने के लिए एक गाय के लिए 20 रूपए मिलता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 40 रूपए कर दिया गया है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी गणमान्य नागरिक, ग्रामवासी, गौपालक मौजूद थे।

आज मनाई जाएगी भाई दूज- दीपावली के दूसरे दिन परमा पर गोवर्धन की पूजा की परंपरा है परमा पर गोवर्धन की पूजा पाठ की। वहीं आज रविवार के दिन भाईदोज का पर्व मनाया जाएगा। दीपावली यम द्वितीया पर जहां बहनों द्वारा भाई की कलाई पर स्नेह की डोर और माथे पर विजय का तिलक लगाया जायेगा, वहीं परंपरागत मढ़ई मेलों का आयोजन शुरू हो जाएगा। यह सिलसिला ग्रामीण क्षेत्रों में भी काफी लंबे समय तक चलेगा। छोटे छोटे बच्चों में मढ़ई मेलों को लेकर काफी उत्साह का वातावरण देखने को मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों मे मढ़ई मेले को लेकर आयोजन समीतियों द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है । मढ़ई के आयोजन मे माता चंडी का पूजन किया जाता है जिससे ग्रामवासियो जिले वासियों व पशु- पक्षियों की सुख समृद्धि की कामना की जाती है।

हत्या मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । विगत दिवस थाना क्षेत्र सुआतला में जमीनी विवाद के चलते मारपीट कर दी गई। जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस अधीक्षक, श्रीमति मृगाखी डेका के निर्देशन में थाना सुआतला पुलिस को बड़ी सफलता, हत्या के 3 आरोपियों को चंद घंटों में किया गिरफ्तार, आपसी विवाद के चलते की गयी थी हत्या। प्रार्थी सीताराम मल्लाह पिता संतोष मल्लाह उम्र 24 वर्ष निवासी केरपानी थाना सुआतला के द्वारा खेत की मेढ को बखरने की बात पर से गाली गलौज कर मारपीट करने की रिपोर्ट पर थाना सुआतला में अपराध क्र. 383/2024 धारा 296, 115(1), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। घायल धनीराम मल्लाह को सीएचसी रोसरा से इलाज बाद जिला अस्पताल नरसिंहपुर रिफर किया गया था जो दौरान इलाज घायल धनीराम मल्लाह की मौत हो जाने पर मामले में धारा 103(1) बी.एन.एस. का इजाफा किया गया है। प्रकरण की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही करते हुये पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर तत्काल अभिरक्षा में लेने हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस टीम के द्वारा प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर हत्या के आरोपीयान नन्हाजी पिता सुखराम मल्लाह उम्र 55 वर्ष निवासी केरपानी, लाखन पिता सुखराम मल्लाह उम्र 62 वर्ष निवासी केरपानी एवं दुर्गेश पिता नन्हाजी मल्लाह उम्र 29 वर्ष निवासी केरपानी की तलाश कर तकनीकी माध्यमों एवं मुखबिर के माध्यमों से जानकारी एकत्रित की गयी जिसके परिणाम स्वरूप उक्त आरोपियों को सरसला, केरपानी के बीच से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुयी। उक्त कार्यवाही में एस.डी.ओ.पी., तेन्दूखेडा मधुर पटेरिया के मार्गदर्शन में उप निरी. विजय कुमार धुर्वे, सउनि. अवधेश बघेल, आरक्षक कपिल राजपूत, आरक्षक राजेश यादव, आरक्षक अखिलेश पटेल, आरक्षक कृष्णकांत लखेरा, आरक्षक शशांक मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

स्टेडियम ग्राउंड में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने एक नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में आयोजित हुआ। समारोह में सर्वप्रथम मंत्री श्री पटेल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सामूहिक राष्ट्रगान गाया। यहां सशस्त्र पुलिस बल द्वारा ध्वज को सलामी भी दी गई। इस अवसर पर गोटेगाँव विधायक महेन्द्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नरसिंहपुर नीरज दुबे, जनपद पंचायत करेली अध्यक्ष सुश्री प्रतिज्ञा परिहार, जनपद पंचायत सांईखेड़ा अध्यक्ष छत्रपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य सीताराम नामदेव, इंजी. सुनील कोठारी, डॉ. अनंत दुबे, श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती निशा सोनी, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी और आम नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर संदेश का वाचन किया। उन्होंने विकसित प्रदेश के विकास के संदेश के साथ सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जल संवर्धन के क्षेत्र में हम सभी को जागरूक रहने के लिए प्रयास करने होंगे तभी हम जल स्तर को बनाये रख सकते हैं और भावी पीढ़ी की जरूरतों को पूरा कर पायेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पूरे प्रयास कर रही है कि हर पंचायत का अपना भवन हो। हर पंचायत अपने क्षेत्र के विकास कार्यों की प्लानिंग क्षमता और समझदारी से कर सकती है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश गान की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इसके बाद एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, सीएम राइज विद्यालय नरसिंहपुर की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों व कोच मैनेजर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनायें दी। यह सम्मान मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सौजन्य से किया गया। विदित है कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे शालेय जूनियर व्हालीवाल टीम के बालक वर्ग, बालिका वर्ग के जूनियर खिलडिय्यो को व्हालीवाल जोनल सेक्रेट्री मनीष कटारे व कोच शाकिर खान द्वारा कैंप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश शालेय जूनियर व्हालीवाल टीम के बालक वर्ग, बालिका वर्ग के जूनियर खिलाड़ी 6 नवंबर से बरेली उत्तरप्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय शालेय व्हालीवाल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का संचालन दीपक अग्निहोत्री ने किया।

अंततः गुपचुप तरीके से विसंगतियों के बीच हेंडोबर हो गई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था

तेंदूखेड़ा। लगभग छ करोड़ रुपए से अधिक की राशि से बनीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अंततः विसंगतियों के बीच गुपचुप तरीके से हेंडोबर हो ही गई।इस भवन में छ ट्रेडे शुरू होनी है।नये भवन की यह स्थिति बनीं हुई है कि रेलिंग टूटी पड़ी हुई है।बाथरेंशन की सिंक टूटी हुई है संपूर्ण भवन की दीवारों में जहां तहां से दरारें आ रही है।बाहर ग्राऊण्ड परिसर में पानी भराव के चलते मामूली सी नाली खोदकर डाल देने स्टाप और छात्रों को पर्याप्त पानी की व्यवस्था ना होने के साथ साथ थ्री फेज बिजली ना मिलने के बाबजूद भी संस्था के प्रबंधक द्वारा गुपचुप तरीके से बिल्डिंग को अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया। पहले यही प्रबंधक स्वयं खामियों को गिनाते हुए समाचार पत्रों के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक अपनी बात पहुंचाने की बात करते चले आ रहे थे।अब किसी को भनक तक नहीं लगी और ठेकेदार के सुपरवाइजर के माध्यम से भवन को अपने अधिकार में ले लिया।यह विषय क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। नये भवन में पुराने भवन से सामग्री ढुलवाने के लिए मजदूर ना मिलने और बजट ना होने का रोना रोते हुए संस्था में अध्ययनरत छात्रों से ही सामग्री ढुलवा डाली।

***जनप्रतिनिधियों को तक बुलाना उचित नहीं समझा-** लगभग छः करोड़ रुपए से अधिक की राशि से बनीं विसंगति पूर्ण इस भवन को पूर्ण होने के पूर्व आचार संहिता लागू होने के पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा गाडरवारा में एक

कार्यक्रम के तहत वर्चुअल लोकार्पण हो गया था लेकिन भवन पूर्ण ही नहीं हुआ था। डेढ़ साल में काफी शिकवा शिकायत और स्वयं पी एस संयुक्त संचालक और कलेक्टर के मुआयना के बाद आनन-फानन गुणवत्ता को ताक पर रखकर पेटीपर काम देकर औपचारिकताएं निभा दी गई। चूंकि तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के मुख्यालय तेंदूखेड़ा में किसी भी विभाग की यह सबसे बड़ी राशि की बिल्डिंग है। क्षेत्रीय और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अपनी एक महत्वा प्राथमिकता हुआ करती है।इतने बड़े भवन के शुभारंभ की जानकारी उन तक स्थानीय प्रबंधन द्वारा दिया जाना उचित नहीं समझा गया।

होनी है छः ट्रेडे शुरू- तेंदूखेड़ा तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित है। तकनीकी शिक्षा को लेकर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में ट्रेडे शुरू होना बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।इस संस्था में कोपा इलेक्ट्रीशियन फिटर बेल्डर फ्रेविकेशन स्टेनों शुरु होना है। छात्रों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए यहां पर वशीयन टू शुरू किया जाना है। लेकिन नये भवन में अभी छः ट्रेडों के मान से जहां पर्याप्त स्टाप की जरूरत है वहीं आवश्यक सामग्री की भी जरूरत पड़ेगी। कुछ छुटपुट व्यवस्था को लेकर प्रबंधन का कहना है कि उनके पास बजट ही नहीं है कहां से व्यवस्था करेंगे।

नहीं है थ्री फेज बिजली- सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यहां पर यह बनीं हुई है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा भवन में बिजली की व्यवस्था पेटी पर काम देकर आनन फानन पूरा करवा दिया जब यह विषय समाचार पत्रों के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आया तो फिर से केबिल लाइन डलबाई गई थी। लेकिन भवन अभी शुरू ही नहीं हुआ और परिसर में रखी डीपी में फाल्ट आने तथा थ्री फेज बिजली ना मिलने के कारण पंखे तक नहीं चल पा रहें हैं।आई टी आई का स्वयं का जनरेटर तो है लेकिन वह भी बंद पड़ा शोभा की सुपारी बना हुआ है।

इनका कहना है

आई टी आई को हेंडोबर लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव बना हुआ था। सामग्री ढुलाई हेतु हमारे पास अलग से कोई बजट ही नहीं है।हम जेब से भुगतान नहीं कर पायेंगे। ठेकेदार के सुपरवाइजर ने कुछ छुटपुट समस्याओं को पूर्ण करवाने का मौखिक आश्वासन दिया है इस कारण बिल्डिंग को हेडोंबर ले लिया।

शैलेष कौल, प्रबंधक
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तेंदूखेड़ा

सड़कों पर भटकता गोवंश, दूधदोहन कर आवारा छोड़ देते हैं पशु मालिक, प्रतिबंधात्मक आदेश का नहीं हो रहा असर

हरिभूमि न्यूज गोटेगांव। स्थानीय तहसील के अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में गौशालाएं खोली गई है वहीं गौ सेवा योजना के तहत ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर गौशालयों का निर्माण कराया गया है अब यह गौशालाएं गोवंशों को निहार रही है।कई गौशालाएं खाली पड़ी हुई है और सड़कों पर गोवंश अपना डेरा जमाए हुए हैं ऐसा मामला ग्राम पंचायत में बनी हुई गौशाला में देखने मिल रहा है, जहां पर गौ माता की उचित देखरेख नहीं की जाती क्या यह गौशालाएं गोवंश को सुरक्षित आश्रय देने के लिए बनाई गई थी या अपनी जेब में काली कमाई भरने बनाई गई है। इन गौशालाओं के निर्माण में शासन की भारी-भरकम राशि खर्च की गई परंतु गौशालाएं जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी की चलते लापरवाही की भेंट चढ़ा रही है।

सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे गोवंश- गो वंश को रहने का सुरक्षित ठिकाना नहीं है वह सड़कों को ही अपना आशियाना समझ बैठे हैं लेकिन इन गोवंशों को यह मालूम नहीं कि यह कब काल के गाल में समा जाएं और कब कोई वाहन इनको टक्कर मार कर चला जाए। सैकड़ो गोवंश सड़कों पर नजर आते हैं। और दुर्घटना में इन गोवंश की मौत भी हो जाती है, और इन गोवंशों के कारण ना जाने कितने लोगों ने सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवा दी आखिर इस सबका जिम्मेदार कौन है *गौशाला के संचालन में चल रहा है खेल*इन गौशालाओं को लाखों का अनुदान एवं करोड़ रुपए की जमीन आवंटित है आपको बता दें कि पशु संवर्धन बोर्ड मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा गौशाला संचालन के लिए गोवंश अनुदान राशि को 20 रुपये से बढ़ाकर अब प्रति गोवंश पर प्रतिदिन 40 रुपए के हिसाब से राशि दी जाती है, फिर भी नगर हो या ग्रामीण क्षेत्र अक्सर वहां के चौक चौराहों पर गोवंश को आसानी से देखा जा सकता है।

प्रशासन आखिर मोन क्यों- गोवंश अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं ऐसा कोई भी नहीं जिसने गऊ माता का दूध पिया ना पिया हो फिर भी जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी से लेकर आम नागरिक तक मोन है वही गौ माता की जय हो गौ हत्या बंद कहने वाले मौन व्रत धारण किए हुए इसका क्या कारण हो सकता है,*मोहन के राज में गोवंशों की हालत खराब*मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के राज में गोवंश को न्याय नहीं मिल पा रहा है यह गोवंश अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं और मोहन से न्याय मांग रहे हैं एक मोहन द्वापर युग में थे जो गोवंश की सेवा करते थे और उनकी एक बांसुरी की धुन से सारे गोवंश चले आते थे एक मोहन मध्यप्रदेश में है जो गोवंशों के लिए लगातार प्रयास तो कर रहे हैं लेकिन वह प्रयास जमीन पर नजर नहीं आ रहा है अब देखना होगा कि इन गौवंश को आखिर में कब न्याय मिलेगा(

आर.पी.एफ कर्मचारियों को स्टेशन पर ठहरने की नहीं है व्यवस्था, सुरक्षा की जिम्मेदारी उठा रहे कर्मियों को स्टेशन पर नहीं मिला स्थान

गोटेगांव। श्रीधाम रेलवे स्टेशन हो या समूचे भारत का कोई भी स्टेशन हो इन सभी की सुरक्षा की जवाबदारी और जिम्मेदारी आर पी एफ की होती है परंतु जब आर पी एफ ही परेशान हो स्टाफ को स्टेशन पर रुकने की जगह न मिले तो फिर स्टेशन की रखवाली कौन करेगा सुरक्षा कैसे होगी इन सभी अनुत्तरित प्रश्नों से मतलब है नरसिंहपुर जिला की तहसील गोटेगांव की श्रीधाम रेलवे स्टेशन का जहां पर रेलवे स्टेशन की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगते जा रहे हैं।यहां पर स्वयंभू स्टेशन अधीक्षक रेल सुरक्षा बल आर पी एफ को ठहरने के लिए रूम की चाबी ही नहीं देता जिससे श्रीधाम स्टेशन की सुरक्षा को ग्रहण लगता नजर आने लगा है। जी आर पी भी खंडहर नुमा कोठी जो अंग्रेजों के समय की बनाई गई थी वहां बसेरा कर रही है मगर बेचारे आर पी एफ को श्रीधाम में रुकने कोई स्थान नहीं ।आखिर माजरा क्या है यह समझ से परे है परंतु इतना अवश्य है कि आर पी एफ की अनुपस्थिति में स्टेशन पर अपराध दर अपराध होते ही जाते हैं कहीं झगड़ा,चोरी,शराब खोरी आदि आदि हैं जो अपराधों की श्रेणी में आते हैं परंतु यहां पर स्थाई रूप से आर पी एफ का न होना श्रीधाम स्टेशन पर यात्रियों और नगर में जन चर्चा का विषय बनता जा रहा है।स्मरण हो कि प्रातः स्मरणीय जगद्गुरु भगवान स्वामी श्री शंकराचार्य की तपोस्थली होने के कारण इस श्रीधाम स्टेशन पर दर्शनार्थियों का एवं देश विदेश से भी परमहंसी गंगा माता त्रिपुर सुंदरी और पर्वतीय तथा रमणीय स्थल को देखने लोगों का आना जाना वर्ष भर लगा रहता है एवं महाराजा श्री ने ही गोटेगांव स्टेशन का नाम बदलवा कर मां आदिशक्ति परम्बा श्री जी से मिलते जुलते नाम श्रीधाम से अलंकृत किया मगर ताज्जुब है कि इस श्रीधाम

स्टेशन के अधिकारी और वरिष्ठ जवाबदारी अधिकारी क्यों अनदेखी कर रहे हैं जहां पर सुरक्षा के मद्दे नजर आर पी एफ को रुकने अलग से कोई स्थान आज तक नहीं बनाया गया।जो चर्चित होता जा रहा है।और किसी कमरे में रुकने की कोई अधिकारी चाहे भी तो स्वयंभू स्टेशन प्रबंधक उसे चाबी सौंपने में आनाकानी कर रूम की चाबी देने मन कर देते है जिससे आर पी एफ कर्मचारी समय पर होने वाली कोई अनहोनी घटना स्थल पर भी समय से नहीं पहुंचते हैं जिससे पता चलता कि स्टाफ आ रहा है आखिर अधिकारी की ऐसी तानाशाही क्यों।क्या संबंधित अधिकारी आंख बंद करके रेल विभाग चला रहे हैं या कोई और कारण है विभाग ध्यान दे। सूत्रों से यह भी ज्ञात हुआ है कि भारत सरकार के प्रधानमंत्री ने पूरे भारत वर्ष में अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के नवनिर्माण की घोषणा भी की थी जिसमें श्रीधाम स्टेशन को भी चुना गया परन्तु दुर्भाग्य की बात है कि इस योजना से यात्रियों में जहां इजाफा होगा तो वहीं अपराधी भी अपनी कला कौशल दिखाने में पीछे नहीं रहेंगे फिर ऐसे में इस स्टेशन की सुरक्षा किसके हाथ होगी।यह ज्ञात हुआ है कि नव निर्माण के चलते प्रति माह अधिकारियों द्वारा नव निर्माण होने जा रहे स्टेशनों का निरीक्षण किया जाता है परंतु आर पी एफ स्टाफ ने भी कई बार अपने मातहत स्टाफ को रुकने के लिए कोई स्थान न होने का आवेदन और निवेदन भी किया परंतु यहां से निरीक्षण कर रहे अधिकारी चले गए और जाकर कुंभकर्णी निद्रा में सो गए जिससे जनता का नुकसान होता रहे।मगर जवाबदार अधिकारी ने बेचारे अपनी कर्तव्य परायणता का परिचय देने वाले आर पी के लिए कभी नहीं सोचा।अब सोचिए कि श्रीधाम स्टेशन पर यदि आर पी एफ न होगी तो सुरक्षा कौन करेगा आए दिन चोरी,शराब खोरी,चाकूबाजी,हवस बाजी और झगड़े की शिकायत हमेशा होती रहेगी।और अधिकारी अपना तान बिछौना सोते रहेंगे।आखिर जनता को यह समझ नहीं आता कि अधिकारी भारत सरकार रेल मंत्रालय के व्यक्ति हैं क्या उनकी सुरक्षा भी तो आर पी एफ के दायरे में होगी जब आर पी एफ को सुविधा नहीं मिलेगी तो सुरक्षा पर सवाल उठने लग जाएंगे।फिर रेल मंत्रालय क्या कर रहा हैं। जब श्रीधाम रेलवे स्टेशन करोड़ों की लागत से निर्मित होकर अपने नए परिवेश आने को आतुर हो रही है तब ऐसे में आर पी एफ के साथ सौतेला व्यवहार नहीं होना चाहिए उन रक्षा कर्मियों को भी स्टेशन में एक ऐसे रूम की भी व्यवस्था होनी चाहिए जहां पर वह आर पी एफ कर्मचारी अपनी दैनिक क्रियाएं सम्पन्न करके अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहें और यात्रियों की सुरक्षा तथा स्टेशन की सुरक्षा की जवाबदारी सम्भाल कर अपना कर्तव्य निभा सकें।परंतु देखा जा रहा है कि सुरक्षा को ही अनदेखा किया जा रहा हैं कहां है वह रेलवे के डी आर एम और डी एम एवं जवाबदार अधिकारी क्यों ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है आर पी एफ को रुकने का स्थान ।जब आर पी एफ को नजर अंदाज करोगे तो अपराधियों के हौंसले बुलंद होंगे।फिर जनता त्राहि माम करने लगेगी। असामाजिक गतिविधियों को नगर की जनता माफ नहीं करेगी।अच्छा होगा यदि आर पी एफ चौकी का कार्यालय बनाया जाए।जनप्रतिनिधि और डी आर एम तथा संबंधित अधिकारी इस ओर शीघ्र ही ध्यान दें एवं आवश्यक कार्यवाही शीघ्र की जावे। इनका कहना है।आर पी एफ की तो स्टेशन पर सख्त आवश्यकता है परंतुरेल विभाग द्वारा आर पी एफ के लिए कोई चौकी या रुकने की व्यवस्था नहीं की गई है।पहले हम आर पी एफ को यात्रियों के प्रतीक्षालय वेटिंग हाल स्थान पर रूम की व्यवस्था कर देते थे अब हमें विभाग द्वारा मना कर दिया है कहा है की वह जो रूम है वह रिजर्वेशन यात्रियों के लिए है । रेल विभाग स्वयं आर पी एफ की व्यवस्था करे।